www.samaylive.com
राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
...पुर • पटना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित
नई दिल्ली। शनिवार • 8 मार्च • 2014

ट्रांजिट कैंप में बच्चों के लिए खुला स्कूल

कठपुतली कॉलोनी पुनर्वास मामला

- कैंप में पहुंचे 55 परिवार
- डीडीए शिफ्ट हुए परिवारों को सब तरह की सुविधाएं देने की कोशिश में

नई दिल्ली (एसएनबी)। कठपुतली कालोनी के परिवारों के बच्चों के पढ़ने के लिए डीडीए ने ट्रांजिट कैंप में एक स्कूल खोल दिया है। इसके साथ ही एक डिस्पेंसरी भी खोलने की योजना है, जिससे वहां रहनेवाले परिवारों को जरूरत पढ़ने पर प्राथमिक इलाज की सुविधा मिल सके। इधर शिफ्टिंग का काम अभी भी काफी धीमी गति से चल रहा है। शुक्रवार तक करीब 55 परिवार ही वहां शिफ्ट हुए हैं जबकि उनकी कुल संख्या करीब 2800 है।

डीडीए की लाख कोशिशों के बाद भी कठपुतली कालोनी में शिफ्टिंग का काम तेजी नहीं पकड़ रहा है। 26 मार्च को शिफ्टिंग का काम शुरू हुआ था, लेकिन अभी तक मात्र 55 परिवार ही वहां शिफ्ट हुए हैं। शुक्रवार तक करीब 250 परिवारों ने पर्ची कटवायी थी। इसमें से 90 फीसद परिवारों ने अपने दस्तावेज भी जमा करा दिए हैं। डीडीए के अधिकारियों के मुताबिक ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट हुए परिवारों की जरूरत को देखते हुए उनके बच्चों के लिए एक स्कूल खोल दिया गया है। जैसे-जैसे ट्रांजिट कैंप में परिवारों की संख्या बढ़ रही है, स्कूल में बच्चों की संख्या में बढ़ने लगी है। इसके अलावा मदर डेयरी का बूथ बीते सप्ताह ही शुरू हो चुका है। उनकी कोशिश है कि किसी भी परिवार को वहां किसी तरह की दिक्कत न हो।

शिफ्ट हुए परिवारों को खाना भी मुफ्त दिया जा रहा है। उधर डीडीए की इस पुनर्वास योजना का विरोध कर रहे प्रधान दिलीप के समर्थक अभी भी प्लॉट की मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि 11 मार्च के न्यायालय का निर्णय आयेगा और उन्हें पूरी उम्मीद है कि उनकी मांग मानी जाएगी। डीडीए के अधिकारी कालोनी के इन लोगों की मांग को गलत बता रहे हैं।